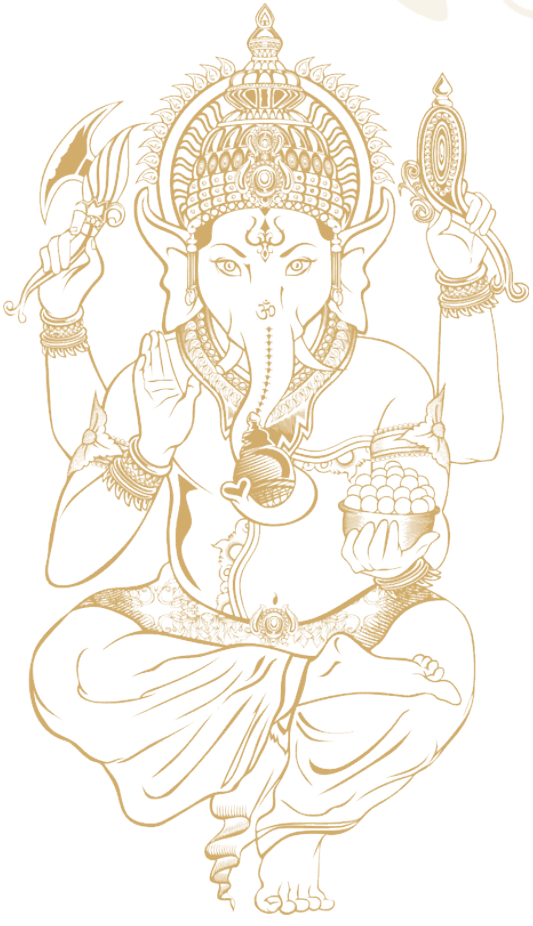

Bhavishya pandey

12 Jan 2021

02:52 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121903208

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
11-12/01/2021	जन्म तिथि	**12/01/2026**
सोम-मंगलवार	दिन	सोमवार
घंटे 02:52:00	जन्म समय	09:43:18 घंटे
घटी 49:01:12	जन्म समय(घटी)	06:09:30 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:31	सूर्योदय	07:15:30
17:43:48	सूर्यास्त	17:43:38
24:08:47	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:21

तुला	लग्न	कुम्भ
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
धनु	राशि	तुला
गुरु	राशि-स्वामी	शुक्र
मूल	नक्षत्र	स्वाति
केतु	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	3
ध्रुव	योग	धृति
शकुनि	करण	गर
भी-भीमा	जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
क्षत्रिय	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
श्वान	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	मृग
5	गत/तत्कालिक वर्ष	6

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
विशाखा	3	27:17:40	तुला			लग्न			कुंभ	10:49:38	2	शतभिषा
उत्तराषाढ़ा	1	27:44:00	धनु			सूर्य			धनु	27:44:00	1	उत्तराषाढ़ा
मूल	4	10:31:13	धनु			चंद्र			तुला	14:22:40	3	स्वाति
अश्विनी	3	08:10:20	मेष			मंगल		अ	धनु	27:04:16	1	उत्तराषाढ़ा
श्रवण	1	11:23:22	मक			बुध		अ	धनु	21:51:52	3	पूर्वाषाढ़ा
श्रवण	1	11:09:21	मक			गुरु	व		मिथु	25:38:27	2	पुनर्वसु
मूल	3	09:54:40	धनु			शुक्र		अ	धनु	29:02:39	1	उत्तराषाढ़ा
उत्तराषाढ़ा	4	08:44:28	मक		अ	शनि			मीन	02:41:22	4	पू०भाद्रपद
मृगशिरा	1	25:34:34	वृष	व		राहु	व		कुंभ	16:04:24	3	शतभिषा
ज्येष्ठा	3	25:34:34	वृश्चि	व		केतु	व		सिंह	16:04:24	1	पू०फाल्गुनी
अश्विनी	4	12:34:40	मेष	व		मु			मीन	27:17:40	4	रेवती

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

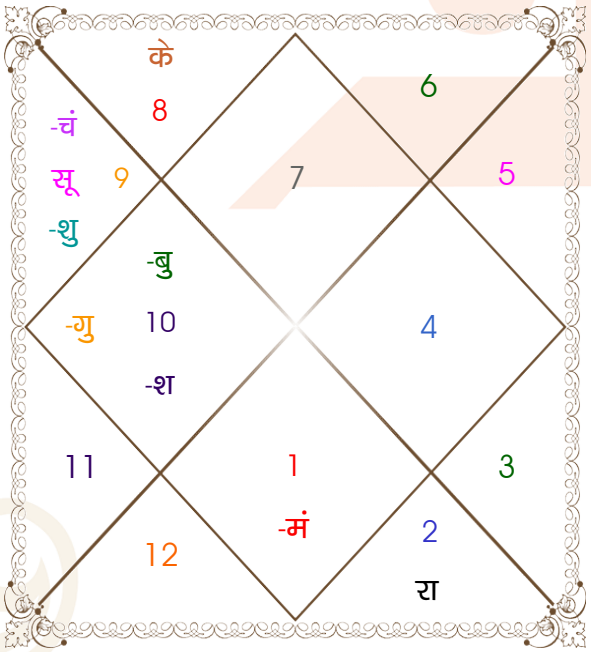

वर्ष लग्न कुंडली

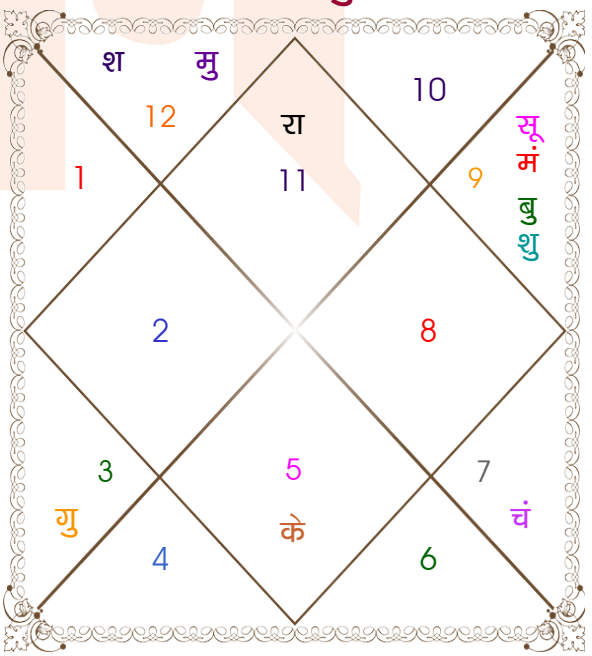

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - सूर्य - गुरु	
08/03/2026 19:34	
26/04/2026 12:22	
गुरु	15/03/2026 07:24
शनि	23/03/2026 00:28
बुध	29/03/2026 22:02
केतु	01/04/2026 18:13
शुक्र	09/04/2026 21:01
सूर्य	12/04/2026 07:28
चंद्र	16/04/2026 08:52
मंगल	19/04/2026 05:02
राहु	26/04/2026 12:22

शुक्र - सूर्य - शनि	
26/04/2026 12:22	
23/06/2026 08:19	
शनि	05/05/2026 16:07
बुध	13/05/2026 20:45
केतु	17/05/2026 05:42
शुक्र	26/05/2026 21:02
सूर्य	29/05/2026 18:26
चंद्र	03/06/2026 14:06
मंगल	06/06/2026 23:03
राहु	15/06/2026 15:15
गुरु	23/06/2026 08:19

शुक्र - सूर्य - बुध	
23/06/2026 08:19	
14/08/2026 02:10	
बुध	30/06/2026 16:14
केतु	03/07/2026 16:41
शुक्र	12/07/2026 07:39
सूर्य	14/07/2026 21:45
चंद्र	19/07/2026 05:14
मंगल	22/07/2026 05:40
राहु	29/07/2026 23:57
गुरु	05/08/2026 21:32
शनि	14/08/2026 02:10

शुक्र - सूर्य - केतु	
14/08/2026 02:10	
04/09/2026 09:31	
केतु	15/08/2026 07:59
शुक्र	18/08/2026 21:13
सूर्य	19/08/2026 22:47
चंद्र	21/08/2026 17:24
मंगल	22/08/2026 23:13
राहु	26/08/2026 03:55
गुरु	29/08/2026 00:06
शनि	01/09/2026 09:04
बुध	04/09/2026 09:31

शुक्र - सूर्य - शुक्र	
04/09/2026 09:31	
04/11/2026 06:31	
शुक्र	14/09/2026 13:01
सूर्य	17/09/2026 14:04
चंद्र	22/09/2026 15:49
मंगल	26/09/2026 05:02
राहु	05/10/2026 08:11
गुरु	13/10/2026 10:59
शनि	23/10/2026 02:19
बुध	31/10/2026 17:17
केतु	04/11/2026 06:31

शुक्र - चंद्र - चंद्र	
04/11/2026 06:31	
25/12/2026 00:01	
चंद्र	08/11/2026 11:58
मंगल	11/11/2026 10:59
राहु	19/11/2026 01:37
गुरु	25/11/2026 19:57
शनि	03/12/2026 20:43
बुध	11/12/2026 01:12
केतु	14/12/2026 00:13
शुक्र	22/12/2026 11:08
सूर्य	25/12/2026 00:01

शुक्र - चंद्र - मंगल	
25/12/2026 00:01	
29/01/2027 12:16	
मंगल	27/12/2026 01:43
राहु	01/01/2027 09:34
गुरु	06/01/2027 03:12
शनि	11/01/2027 18:08
बुध	16/01/2027 18:52
केतु	18/01/2027 20:35
शुक्र	24/01/2027 18:38
सूर्य	26/01/2027 13:14
चंद्र	29/01/2027 12:16

शुक्र - चंद्र - राहु	
29/01/2027 12:16	
30/04/2027 19:46	
राहु	12/02/2027 04:59
गुरु	24/02/2027 09:11
शनि	10/03/2027 20:10
बुध	23/03/2027 18:38
केतु	29/03/2027 02:28
शुक्र	13/04/2027 07:43
सूर्य	17/04/2027 21:18
चंद्र	25/04/2027 11:55
मंगल	30/04/2027 19:46

शुक्र - चंद्र - गुरु	
30/04/2027 19:46	
20/07/2027 23:46	
गुरु	11/05/2027 15:30
शनि	24/05/2027 11:56
बुध	04/06/2027 23:54
केतु	09/06/2027 17:32
शुक्र	23/06/2027 06:12
सूर्य	27/06/2027 07:36
चंद्र	04/07/2027 01:56
मंगल	08/07/2027 19:34
राहु	20/07/2027 23:46

शुक्र - चंद्र - शनि	
20/07/2027 23:46	
25/10/2027 09:01	
शनि	05/08/2027 06:01
बुध	18/08/2027 21:44
केतु	24/08/2027 12:40
शुक्र	09/09/2027 14:13
सूर्य	14/09/2027 09:53
चंद्र	22/09/2027 10:39
मंगल	28/09/2027 01:35
राहु	12/10/2027 12:35
गुरु	25/10/2027 09:01

शुक्र - चंद्र - बुध	
25/10/2027 09:01	
19/01/2028 14:46	
बुध	06/11/2027 14:13
केतु	11/11/2027 14:58
शुक्र	25/11/2027 23:55
सूर्य	30/11/2027 07:24
चंद्र	07/12/2027 11:53
मंगल	12/12/2027 12:37
राहु	25/12/2027 11:05
गुरु	05/01/2028 23:03
शनि	19/01/2028 14:46

शुक्र - चंद्र - केतु	
19/01/2028 14:46	
24/02/2028 03:01	
केतु	21/01/2028 16:28
शुक्र	27/01/2028 14:31
सूर्य	29/01/2028 09:08
चंद्र	01/02/2028 08:09
मंगल	03/02/2028 09:52
राहु	08/02/2028 17:42
गुरु	13/02/2028 11:20
शनि	19/02/2028 02:16
बुध	24/02/2028 03:01

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।